सामाजिक जीवन से सम्बन्धित अधिकांश समस्याओं श्रमिक वर्ग में अत्यन्त स्पष्ट रूप में होता है। इसीलिए सामाजिक सर्वेक्षण का विशेष ध्यान श्रमिक वर्ग की दशाओं तथा समस्याओं पर होता है। इसके दो प्रमुख कारण हैं- प्रथम श्रमिक वर्ग की दशाओं के अध्ययन से समुदाय का अध्ययन उसमें आ जाता है। दूसरा कारण यह है कि इसके जीवन की दशाओं से अन्य सभी प्रकार की समस्याएँ घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित पाई जाती है। उदाहरणार्थ, श्रमिक वर्ग में व्याप्त बेकारी को ही लें तो हम कह सकते हैं कि जहाँ बेकारी है वहाँ गरीबी होगी, स्वास्थ्य का स्तर भी निम्न होगा, शिक्षा का प्रसार कम होगा एवं अपराध व बाल-अपराध की सम्भावनाएँ अधिक होंगी। अतः सामाजिक सर्वेक्षण श्रमिक वर्ग की समस्याओं के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का अध्ययन कर लेने का प्रयास किया जाता है।

(4) कार्य-कारण सम्बन्ध की खोज (Search for Causal Relation Ship)—

सामाजिक सर्वेक्षण सामाजिक घटनाओं का अध्ययन करते हुए उन घटनाओं में अन्तर्निहित कारणों को ढूँढने का प्रयत्न करता है क्योंकि इसकी प्रथम मान्यता यही है कि प्रत्येक सामाजिक घटना का कोई न कोई कारण अवश्य ही होगा। सामाजिक घटना आकस्मिक नहीं होती है। उसमें नियमितता होती है और इसीलिए उसमें अन्तर्निहित कारणों को ढूँढा जा सकता है। इसे कार्य-कारण

सम्बन्धों की खोज सामाजिक सर्वेक्षण का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

(5) सामाजिक सिद्धान्तों की पुनर्परीक्षा (Verification of Social Thoughts) —

सामाजिक सर्वेक्षण का एक उद्देश्य विद्यमान सामाजिक सिद्धान्तों की पुनर्परीक्षा करना है। सामाजिक परिस्थितियों में परिवर्तन होने से सामाजिक घटना की प्रकृति बदल जाती है और उसके बदलने से सामाजिक सिद्धान्त में भी आवश्यक परिवर्तन व परिवर्तन की जरूरत होती है। सामाजिक सर्वेक्षण विद्यमान परिस्थितियों के सन्दर्भ में वास्तविक तथ्यों का संकलन कर इस बात की परीक्षा करता है कि घटना के सम्बन्ध में जो पुराने सिद्धान्त हैं वे अब ठीक हैं या नहीं और यदि नहीं हैं तो परिवर्तित परिस्थिति में खरा उतरने के लिए किस प्रकार का सिद्धान्त उचित होगा।

(6) प्राक्कल्पना का निर्माण तथा परीक्षण (Formulation and Testing of Hypothesis) —

पूर्व-सर्वेक्षण (Pilot Survey) प्राक्कल्पना के निर्माण में अत्यन्त सहायक सिद्ध होता है। जिस समूह का अध्ययन करना है उसके विषय में एक सामान्य ज्ञान प्राप्त करने के लिए पूर्व सर्वेक्षण किया जाता है।

Created By Sign Doc